RAJYOG REPORT

mPanchang

A Global Hindu Calendar

www.mpanchang.com

व्यक्तिगत विवरण

मूल विवरण	
पहला नाम	Ajay Kumar
जन्म तारीख	20-1-1995
जन्म का समय	05:10:00 AM
जन्म स्थान	Mumbai, Maharashtra, India
देशान्तर	72.88261
अक्षांश	72.88261
समय क्षेत्र	Asia/Kolkata

पंचांग विवरण	
सूर्य उदय	07:18
तिथि	पंचमी
योग	सौभाग्य
नक्षत्र	पूर्व फाल्गुनी
करण	बावा
नक्षत्र	पूर्व फाल्गुनी
अमान्ता महीना	पौष
पूर्णिमान्ता महीना	माघ

सूर्य राशि

कुंभ

चन्द्र राशि

सिंह

राजयोग के बारे में

खुशी के पीछे भागने जैसी कोई चीज नहीं है, लेकिन हमारे भाग्य के अनुसार हम खुशियों के कितने हकदार हैं, यह जानने लायक है। हर कोई एक शानदार और आरामदायक जीवन शैली चाहता है और समाज में शक्ति और प्रतिष्ठा का आनंद लेना चाहता हैः संक्षेप में, प्रत्येक व्यक्ति को राजा की तरह जीवन जीने की इच्छा होती है। जन्म कुंडली में ग्रहों की स्थिति और एक दूसरे के साथ उनके संबंध एक व्यक्ति की नियति को प्रभावित करने और यह परिभाषित करने की शक्ति रखते हैं कि क्या राजा जैसी जीवन शैली प्राप्त करने की संभावना है।

जन्म कुंडली में ग्रहों का एक निश्चित संयोग आपको एक सफल व्यवसायी, एक प्रसिद्ध अभिनेता या मॉडल, एक सार्वजनिक व्यक्ति, अंतर्राष्ट्रीय ख्याति का एक प्रसिद्ध खिलाड़ी, एक नेता, एक परोपकारी, एक प्रसिद्ध चिकित्सक, एक डॉक्टर बनने में मदद कर सकता है। वास्तुकार या जो भी आप जीवन में बनना चाहते हैं।

कुंडली में शुभ और अनुकूल ग्रहों के मेल से बनने वाली ग्रह रचना या योग से राज योग बनाता है। कुंडली में राज योग इंगित करता है कि व्यक्ति राजा की तरह धन, वित्तीय लाभ, शक्ति, प्रसिद्धि और महिमा का आनंद लेगा।

एक ज्योतिषी को कुंडली में राज योग या किसी अन्य शुभ योग के संयोजन की पहचान करने के लिए जन्म कुंडली को विस्तारपूर्वक व सावधानीपूर्वक अध्ययन करने की आवश्यकता होती है। ग्रहों की कार्यात्मक प्रवृति को ग्रहों की शुभता को समझने के लिए जाना जाता है। एक ज्योतिषी नवमांश और दशमांश के बीच के संबंध का विश्लेषण करता है ताकि जातक के जीवन में सबसे प्रभावी अवधि की पहचान हो सके , जब राज योग सबसे मजबूत होगा और सर्वोत्तम परिणाम देगा।

राज योग के पूर्ण परिणामों के लिए, यह अनुकूल है, यदि त्रिनेत्र या केंद्रिय घर में बृहस्पति या शुक्र स्थित है, और ऐसे मामले में, जातक समाज और व्यावसियक जीवन में शक्ति और प्रतिष्ठा प्राप्त करता है।

ग्रहों और घरों के विभिन्न संयोगों के परिणाम राज योग के विभिन्न रूपों में होते हैं जो विभिन्न स्तरों के परिणाम देते हैं। कुंडली में राज योग का अस्तित्व आपको जीवन में भाग्य, धन और शक्ति देने का वादा नहीं करता है। इस योग वाले व्यक्ति की जीवनशैली को परिभाषित करने में विभिन्न सकारात्मक और नकारात्मक कारक प्रमुख भूमिका निभाते हैं।

ग्रहों की स्थिति

लग्न धनु मूला	सूर्य मकर उत्तर अषाढ	चंद्रमा सिम्हा माघ	मंगल सिम्हा माघ
बुध मकर धनिष्ठा	बृहस्पति वृश्चिक अनुराधा	शुक्र वृश्चिक ज्येष्ठा	शनि कुंभ शतभिषा
राहु तुला स्वाति	केतु मेष भरनी	अरुण मकर उत्तर अषाढ	नेपच्यून धनु उत्तर अषाढ
प्लूटो वृश्चिक अनुराधा			

ग्रह	सी	आर	राशि	देशान्तर	नक्षत्र	पद
लग्न			धनु	4° 31' 8"	मूला	2
सूर्य			मकर	5° 38' 34"	उत्तर अषाढ	3
चंद्रमा			सिम्हा	12° 46' 22"	माघ	4
मंगल		R	सिम्हा	6° 56' 41"	माघ	3
बुध			मकर	24° 21' 10"	धनिष्ठा	1
बृहस्पति			वृश्चिक	14° 32' 9"	अनुराधा	4
शुक्र			वृश्चिक	18° 54' 28"	ज्येष्ठा	1
शनि			कुंभ	15° 58' 40"	शतभिषा	3
राहु		R	तुला	16° 58' 15"	स्वाति	4
केतु		R	मेष	16° 58' 15"	भरनी	2
अरुण			मकर	2° 47' 42"	उत्तर अषाढ	2
नेपच्यून			धनु	29° 29' 38"	उत्तर अषाढ	1
प्लूटो			वृश्चिक	6° 16' 22"	अनुराधा	1

जन्म कुंडली

लग्न कुंडली

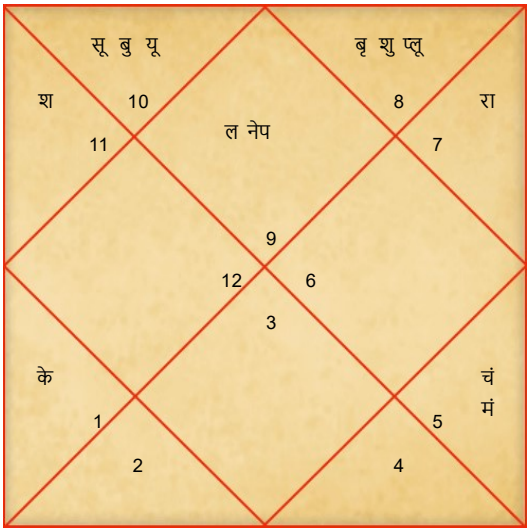

चंद्र कुंडली

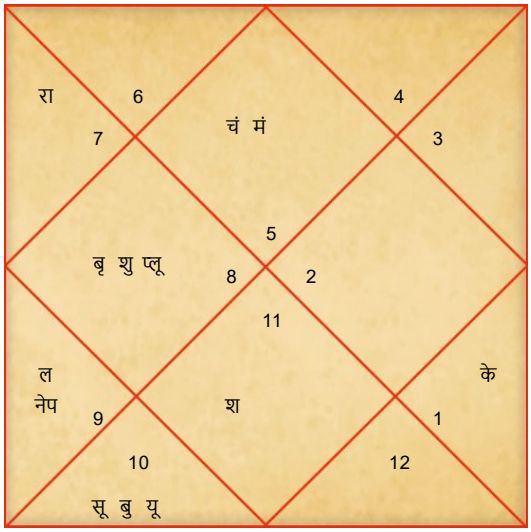

नवमास कुंडली

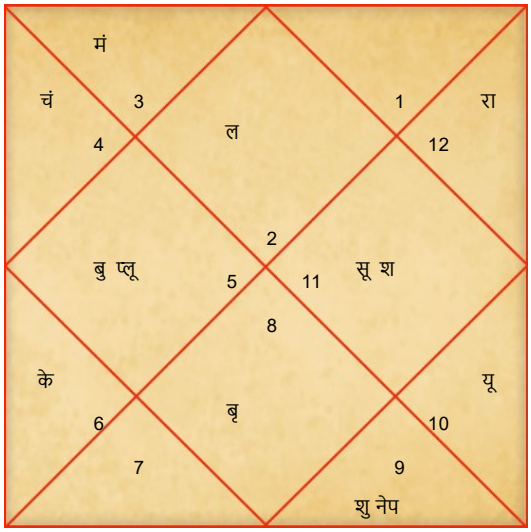

विमोशटरी दशा

केतु	
केतु	10/2/1988
शुक्र	12/3/1989
सूर्य	4/9/1990
चंद्रमा	11/9/1990
मंगल	4/7/1991
राहु	4/24/1992
बृहस्पति	3/31/1993
शनि	5/10/1994
बुध	5/7/1995

शुक्र	
शुक्र	9/6/1998
सूर्य	9/6/1999
चंद्रमा	5/7/2001
मंगल	7/7/2002
राहु	7/6/2005
बृहस्पति	3/6/2008
शनि	5/7/2011
बुध	3/7/2014
केतु	5/7/2015

सूर्य	
सूर्य	8/25/2015
चंद्रमा	2/23/2016
मंगल	6/30/2016
राहु	5/25/2017
बृहस्पति	3/13/2018
शनि	2/23/2019
बुध	12/30/2019
केतु	5/6/2020
शुक्र	5/7/2021

चंद्रमा	
चंद्रमा	3/7/2022
मंगल	10/6/2022
राहु	4/6/2024
बृहस्पति	8/6/2025
शनि	3/7/2027
बुध	8/6/2028
केतु	3/7/2029
शुक्र	11/5/2030
सूर्य	5/7/2031

मंगल	
मंगल	10/3/2031
राहु	10/21/2032
बृहस्पति	9/27/2033
शनि	11/5/2034
बुध	11/3/2035
केतु	3/31/2036
शुक्र	5/31/2037
सूर्य	10/6/2037
चंद्रमा	5/7/2038

राहु	
राहु	1/17/2041
बृहस्पति	6/13/2043
शनि	4/19/2046
बुध	11/5/2048
केतु	11/23/2049
शुक्र	11/23/2052
सूर्य	10/18/2053
चंद्रमा	4/19/2055
मंगल	5/6/2056

बृहस्पति	
बृहस्पति	6/25/2058
शनि	1/5/2061
बुध	4/13/2063
केतु	3/19/2064
शुक्र	11/18/2066
सूर्य	9/6/2067
चंद्रमा	1/5/2069
मंगल	12/12/2069
राहु	5/6/2072

शनि	
शनि	5/10/2075
बुध	1/17/2078
केतु	2/26/2079
शुक्र	4/28/2082
सूर्य	4/10/2083
चंद्रमा	11/8/2084
मंगल	12/18/2085
राहु	10/24/2088
बृहस्पति	5/7/2091

बुध	
बुध	10/3/2093
केतु	9/30/2094
शुक्र	7/31/2097
सूर्य	6/6/2098
चंद्रमा	11/6/2099
मंगल	11/3/2100
राहु	5/23/2103
बृहस्पति	8/28/2105
शनि	5/7/2108

शोड़षवर्ग चार्ट

लग्न

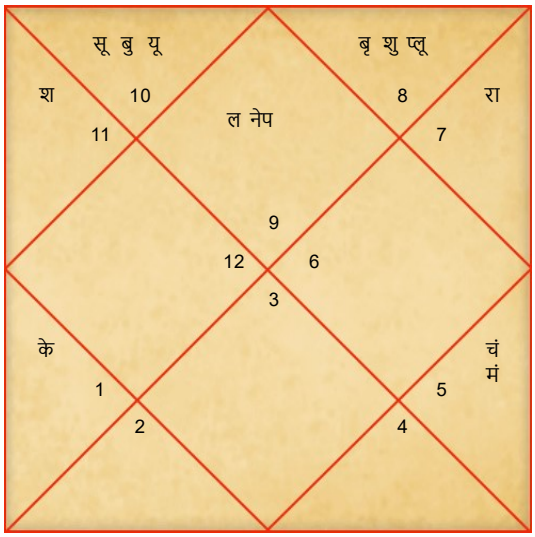

होरा

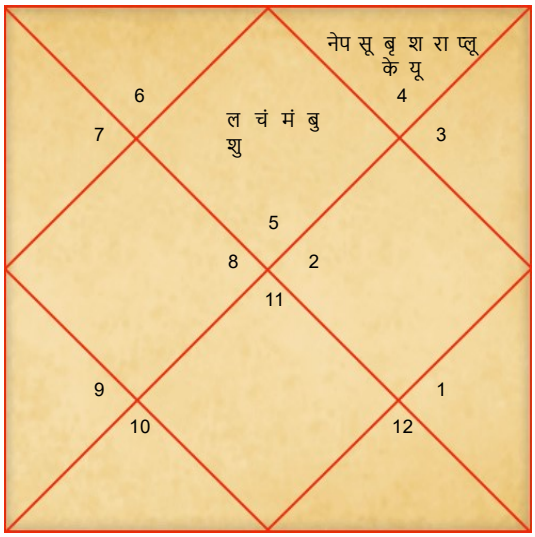

द्रेक्कना

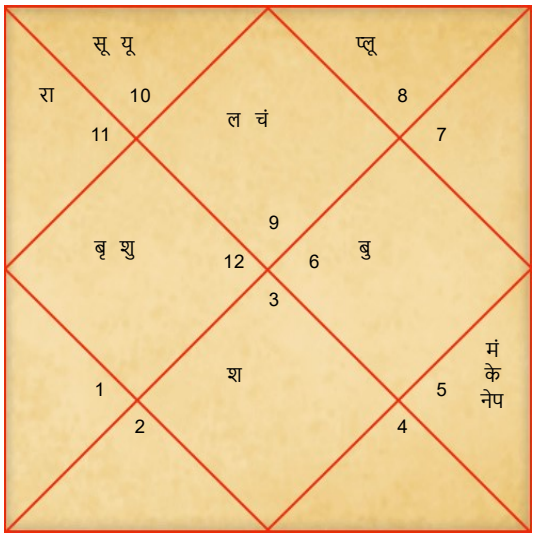

चतुर्थांश

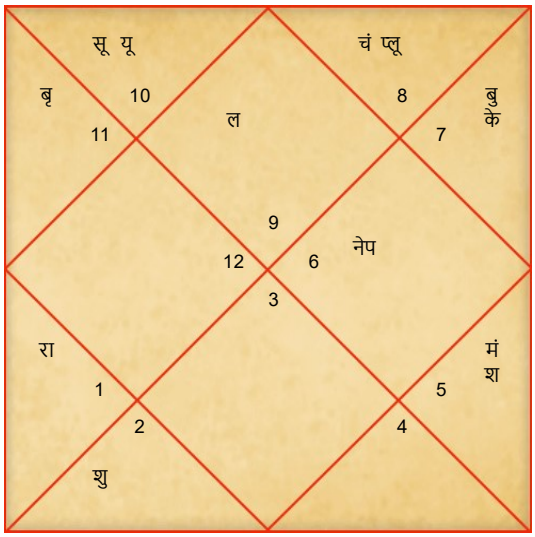

सप्तमांश

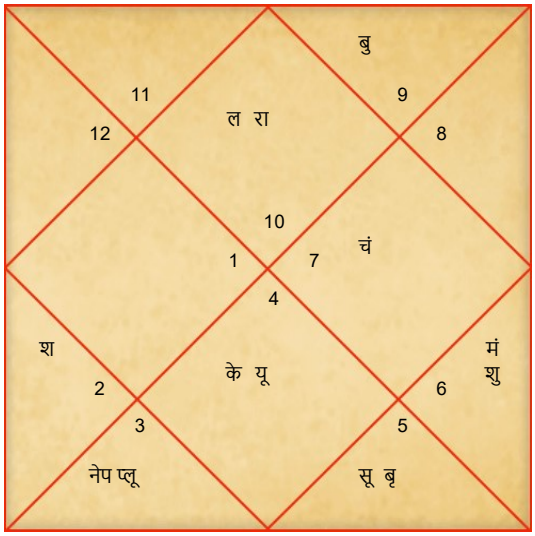

नवांश

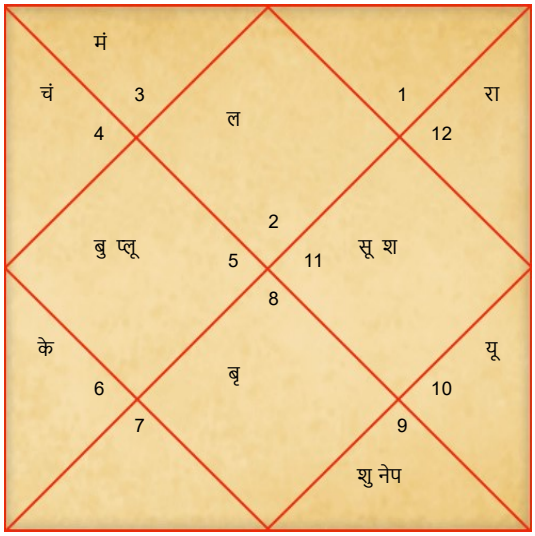

दशमांशा

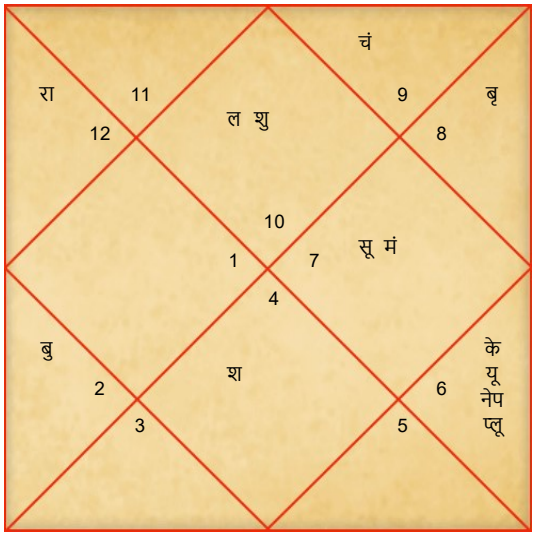

द्वादशमांशा

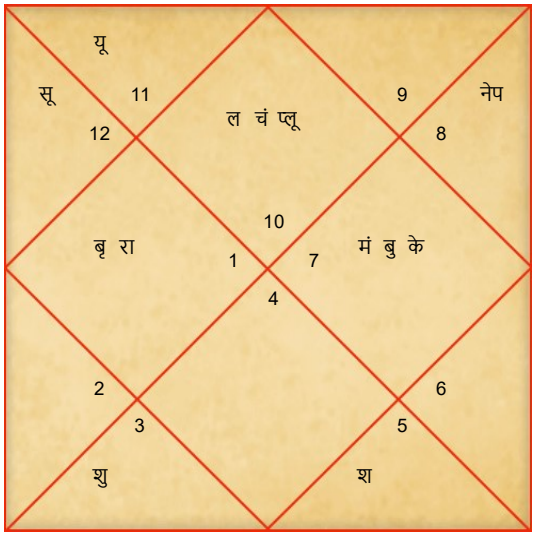

षोडशंषा

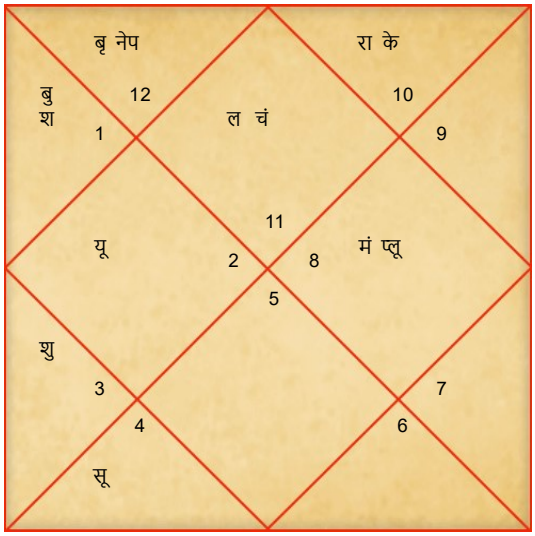

विंशंषा

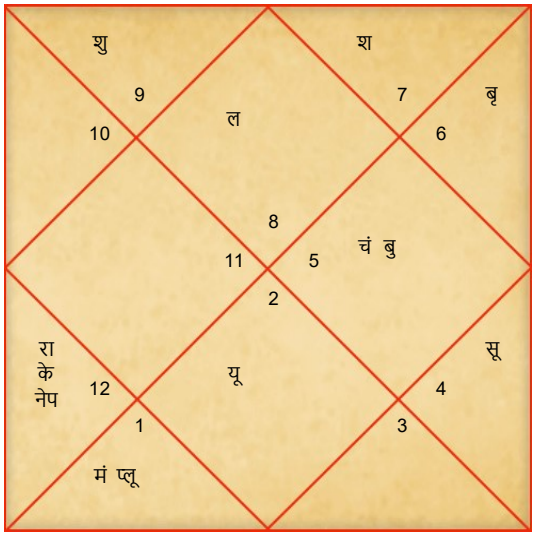

चतुर्विंशांशा

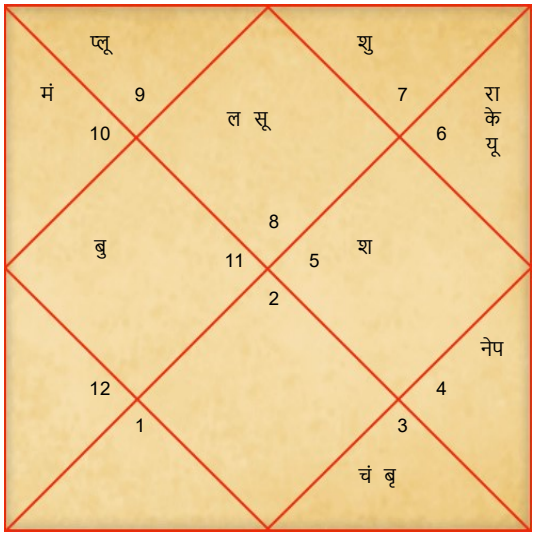

सप्तविंशंषा

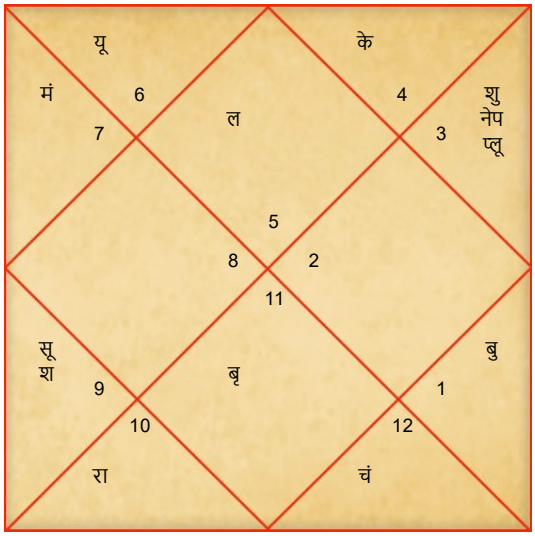

त्रिंशांश

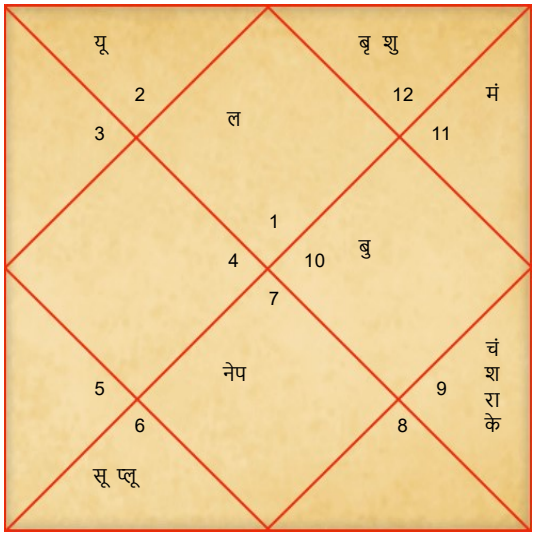

खावेदमशा

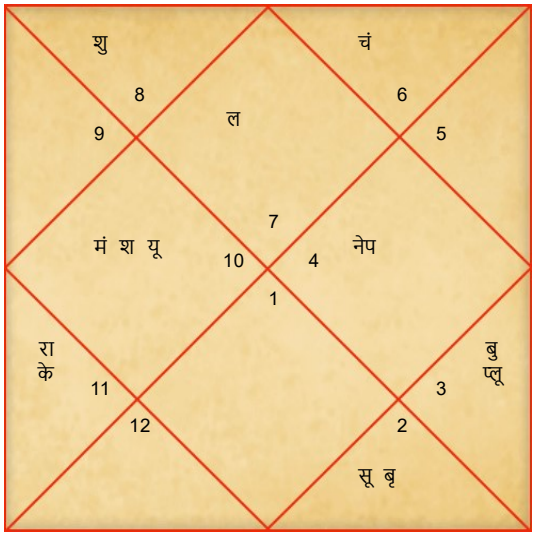

अक्ष्वेदांशा

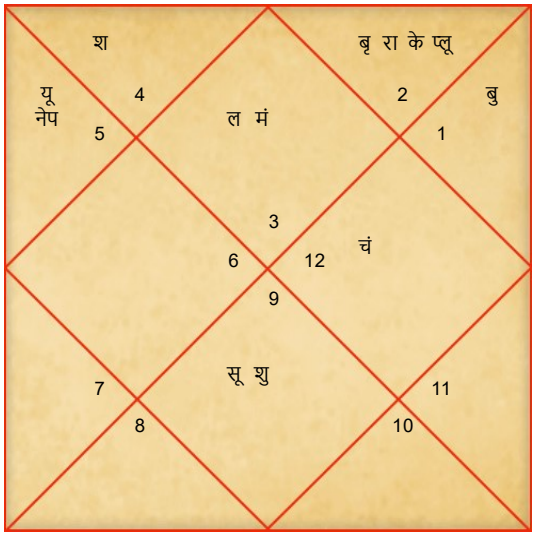

षष्ट्यंशा

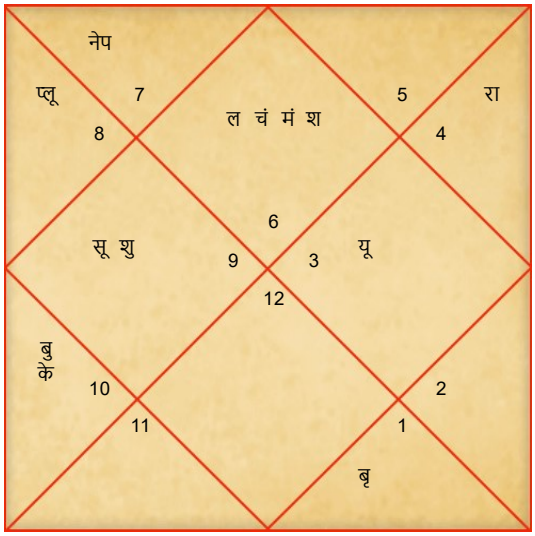

षोडशवर्ग तालिका

	लग्न	सूर्य	चंद्रमा	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि	राहु	केतु	अरुण	नेपच्यून	प्लूटो
लग्न	9	10	5	5	10	8	8	11	7	1	10	9	8
होरा	5	4	5	5	5	4	5	4	4	4	4	4	4
द्रेक्कना	9	10	9	5	6	12	12	3	11	5	10	5	8
चतुर्थांश	9	10	8	5	7	11	2	5	1	7	10	6	8
सप्तमांश	10	5	7	6	9	5	6	2	10	4	4	3	3
नवांश	2	11	4	3	5	8	9	11	12	6	10	9	5
दशमांशा	10	7	9	7	2	8	10	4	12	6	6	6	6
द्वादशमांशा	10	12	10	7	7	1	3	5	1	7	11	8	10
षोडशंषा	11	4	11	8	1	12	3	1	10	10	2	12	8
विंशंषा	8	4	5	1	5	6	9	7	12	12	2	12	1
चतुर्विंशांशा	8	8	3	10	11	3	7	5	6	6	6	4	9
सप्तविंशंषा	5	9	12	7	1	11	3	9	10	4	6	3	3
त्रिंशांश	1	6	9	11	10	12	12	9	9	9	2	7	6
खावेदमशा	7	2	6	10	3	2	8	10	11	11	10	4	3
अक्ष्वेदांशा	3	9	12	3	1	2	9	4	2	2	5	5	2
षष्ट्यंशा	6	9	6	6	10	1	9	6	4	10	3	7	8

षोडशवर्ग भाव तालिका

	लग्न	सूर्य	चंद्रमा	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि	राहु	केतु	अरुण	नेपच्यून	प्लूटो
लग्न	1	2	9	9	2	12	12	3	11	5	2	1	12
होरा	1	12	1	1	1	12	1	12	12	12	12	12	12
द्रेक्कना	1	2	1	9	10	4	4	7	3	9	2	9	12
चतुर्थांश	1	2	12	9	11	3	6	9	5	11	2	10	12
सप्तमांश	1	8	10	9	12	8	9	5	1	7	7	6	6
नवांश	1	10	3	2	4	7	8	10	11	5	9	8	4
दशमांशा	1	10	12	10	5	11	1	7	3	9	9	9	9
द्वादशमांशा	1	3	1	10	10	4	6	8	4	10	2	11	1
षोडशंषा	1	6	1	10	3	2	5	3	12	12	4	2	10
विंशंषा	1	9	10	6	10	11	2	12	5	5	7	5	6
चतुर्विंशांशा	1	1	8	3	4	8	12	10	11	11	11	9	2
सप्तविंशंषा	1	5	8	3	9	7	11	5	6	12	2	11	11
त्रिंशांश	1	6	9	11	10	12	12	9	9	9	2	7	6
खावेदमशा	1	8	12	4	9	8	2	4	5	5	4	10	9
अक्ष्वेदांशा	1	7	10	1	11	12	7	2	12	12	3	3	12
षष्ट्यंशा	1	4	1	1	5	8	4	1	11	5	10	2	3

मैत्री चक्र

नैसर्गिक मैत्री

	सूर्य	चंद्रमा	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	-	F	F	N	F	E	E	E	E
चंद्रमा	F	-	N	F	N	N	N	E	E
मंगल	F	F	-	E	F	N	N	E	F
बुध	F	E	N	-	N	F	N	N	N
बृहस्पति	F	F	F	E	-	E	N	F	N
शुक्र	E	E	N	F	N	-	F	F	F
शनि	E	E	E	F	N	F	-	F	E
राहु	E	E	E	N	N	F	F	-	E
केतु	E	E	F	N	N	F	E	E	-

तात्कालिक मैत्री

	सूर्य	चंद्रमा	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	-	F	F	F	E	E	F	F	E
चंद्रमा	F	-	F	F	E	E	F	F	E
मंगल	F	F	-	F	E	E	F	F	E
बुध	F	F	F	-	E	E	F	F	E
बृहस्पति	F	F	F	F	-	E	F	F	E
शुक्र	F	F	F	F	E	-	F	F	E
शनि	F	F	F	F	E	E	-	F	E
राहु	F	F	F	F	E	E	F	-	E
केतु	F	F	F	F	E	E	F	F	-

पंचधा मैत्री

	सूर्य	चंद्रमा	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	-	G	G	F	N	B	N	N	B
चंद्रमा	G	-	F	G	E	E	F	N	B
मंगल	G	G	-	N	N	E	F	N	N
बुध	G	N	F	-	E	N	F	F	E
बृहस्पति	G	G	G	N	-	B	F	G	E
शुक्र	N	N	F	G	E	-	G	G	N
शनि	N	N	N	G	E	N	-	G	B
राहु	N	N	N	F	E	N	G	-	B
केतु	N	N	G	F	E	N	N	N	-

Great Friend = G Friend = F Neutral = N Enemy = E Great Enemy = B

आपकी कुंडली में राजयोग

गजकेसरी

कुंडली में गजकेसरी योग जातक को वैभव और सौभाग्यशाली जीवन प्रदान करता है। जब आपकी कुंडली में यह योग होता है, तो इस बात की प्रबल संभावना होती है कि आप एक वक्ता या नेता के रूप में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे और एक समृद्ध जीवन जीएंगे। आपकी कुंडली में गजकेसरी योग आपको उच्च बुद्धि, बेजोड़ ज्ञान और भव्यता प्रदान करता है।

85%

निष्कर्ष

आपकी कुंडली में गजकेसरी योग की गहनता बहुत अधिक है, जो आपको मानसिक शक्ति, तीक्ष्णता और दूरदर्शिता का आशीर्वाद देती है। यह योग आपकी कुंडली में आपके जीवनकाल के दौरान बहुत प्रसिद्धि और गौरव प्राप्त करने में आपकी मदद करेगा।

किसी भी समय अपने जीवन में आपको हमेशा वह करने के लिए समाज का समर्थन मिलेगा जो आप करना चाहते हैं। आपकी कुंडली में गजकेसरी योग की इस शक्ति के साथ, आप एक बड़े परोपकारी व्यक्ति भी हैं जो सामाजिक और दान कार्य करना पसंद करते हैं।

विपरीत

विपरीत राज योग तब बनता है जब 6 वें, 8 वें और 12 वें घर के स्वामी अपने-अपने स्थान पर बने रहते हैं या एक-दूसरे के घरों के पहलूओं का आदान-प्रदान करते हैं। इस योग वाले जातक को बाधाओं पर काबू पाने से जीवन में बहुत कुछ प्राप्त होता है।

85%

निष्कर्ष

ज्योतिष में सबसे महत्वपूर्ण योगों में से एक है विपरीत राज योग। आपकी कुंडली में इस योग की उपस्थिति जीवन में बहुत सा धन और नए अवसर लाएगी। आपको शुरू में बहुत संघर्ष करना पड़ सकता है लेकिन यह योग अंततः व्यक्ति को समृद्ध, सम्पन्न, ज्ञानवान और आनंदित करेगा।

वेशि

एक कुंडली में वेशी योग तब बनता है जब चंद्रमा के अलावा, एक ग्रह सूर्य की गणना से दूसरे घर में स्थित हो। कुंडली में वेशी योग वाला व्यक्ति बहुत भाग्यशाली और सुखी जीवन व्यतीत करता है। ऐसे व्यक्ति में धार्मिकता की भावना बहुत अधिक होती है और वे अपने जीवन के दौरान प्रसिद्धि की ओर आगे बढ़ते हैं। किसी व्यक्ति की कुंडली में वेशी योग जातक को विशेषाधिकार प्राप्त जीवनशैली प्रदान करता है।

85%

निष्कर्ष

आपकी कुंडली में स्थित वेशी योग का प्रभाव मध्यम शक्ति का है। यह आपको एक अच्छी वित्तीय स्थिति का आशीर्वाद देता है और आपको जीवन शैली को समृद्ध बनाने में मदद करता है।

त्रिकोण

जन्म कुंडली में केंद्र त्रिकोण योग जातक को कॉर्पोरेट में उपलब्धियां, सरकारी सेवाओं और व्यवसाय में असाधारण भाग्य और सफलता का आशीर्वाद देता है। आपकी कुंडली में केंद्र त्रिकोण योग के साथ, इस बात की प्रबल संभावना है कि आप जीवन में समृद्धि, प्रगति, सुख, विलासिता, मानसिक शांति, जीवन शक्ति, प्रसिद्धि और संतुष्टि का आनंद लेंगे।

85%

निष्कर्ष

आपकी कुंडली में केंद्र त्रिकोण योग की प्रबलता मध्यम है। यह बताता है कि आप जीवन का पूर्ण आनंद लेंगे और अपने और अपने परिवार के लिए एक समृद्ध भविष्य बनाने में सक्षम होंगे। चीजों को लाने की आपकी क्षमता बेजोड़ है। जब पैसा की बात आती है तो आप कठोर निर्णय लेने की हिम्मत रखते हैं। आप धर्म के प्रति झुकाव रखते हैं और साधुवाद में विश्वास रखते हैं।

चन्द्र मंगल

चन्द्र मंगल योग एक कुंडली में तब बनता है जब चंद्रमा और मंगल एक घर में एक साथ स्थित होते हैं या एक दूसरे के साथ परस्पर संबंध रखते हैं। कुंडली में चन्द्र मंगल योग वाले व्यक्ति में धन कमाने और अपने वित्त को बढ़ाने की स्वाभाविक क्षमता होती है। यह योग तीक्ष्ण बुद्धि वाला तेजस्वी व्यक्तित्व और शानदार वित्तीय स्थिति सुनिश्चित करता है।

85%

निष्कर्ष

आपकी कुंडली में चन्द्र मंगल योग उच्च प्रभाव का है। आपकी कुंडली में इस योग की उपस्थिति आपको अपने परिवार की मदद से, या अपने व्यवसाय के माध्यम से धन अर्जित करने में सक्षम बनाती है।

अंकज्योतिष

अंक शास्त्र अथवा न्यूमरोलोजी,आपके जीवन पर अंकों का प्रभाव बताने वाली विद्या है। न्यूमरोलोजी को अंकों की वैश्विक भाषा की मान्यता दी गई है। इससे आपके भविष्य और जीवन के भेदों को जाना जा सकता है। mpanchang के साथ न्यूमरोलोजी को तुरंत समझें।

9	2	2	7
जीवन पथ संख्या	परिपक्वता संख्या	भाग्य संख्या	व्यक्तित्व संख्या

जीवन पथ संख्या

जीवन पथ संख्या अंक शास्त्र की सबसे महत्वपूर्ण संख्या है जो आपकी जन्म तिथि पर आधारित है। इस संख्या के माध्यम से आपको जीवनकाल के दौरान मिलने वाले सबक, अवसर तथा चुनौतियों का व्यापक रूपरेखा पता चलती है।

व्यक्तित्व संख्या

व्यक्तित्व संख्या उस छवि को प्रकट करती है जिसे आप बाहरी दुनिया में पेश कर रहे हैं। यह दिखाता है कि लोग आपको किस तरह से कम समय के भीतर अनुभव करते हैं क्योंकि वे आपको जानते थे। यह दर्शाता है कि दूसरे आपके वास्तविक व्यक्तित्व के बारे में क्या सोचते हैं।

भाग्य संख्या

भाग्य संख्या को अभिव्यक्ति संख्या भी कहा जाता है। भाग्य संख्या महत्वपूर्ण मूल संख्या है। जन्म के समय दिए गए आपके पूर्ण नाम में से इसे निकला जाता है। यह मुख्यत: आपके भविष्य के विधान, आपकी कमियों के साथ आपके आंतरिक लक्ष्यों के संबंध के बारे में बताती है। साथ ही आपकी प्रतिभा के क्षेत्रों के बारे में आपको बताती है।

परिपक्वता संख्या

परिपक्वता संख्या आपके जीवन के मध्य काल (30-35 वर्ष की आयु) के दौरान होने वाली गुप्त अभिलाषा अथवा कामना के बारे में संकेत देती है। ऐसी गुप्त अभिलाषा अथवा लक्ष्य आपके द्वारा स्वयं के संबंध में बेहतर समझ के कारण उत्पन्न होती है।

अनुकूल अंक

पीला नीलम, माणिक और लाल मूंगा	पीला और नारंगी	रविवार और गुरुवार
भाग्यशाली पत्थर	भाग्यशाली रंग	भाग्यशाली दिन

सुनहरा अवसर

प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में एक सुनहरा समय आता है, जहां उसकी सभी इच्छाएं पूरी होती हैं और वे अपने प्रत्येक काम में सफलता प्राप्त करते हैं। यह वह विशेष स्थिति होती है जब आपके राज योग का प्रभाव अपने चरम पर होता है। इस राज योग रिपोर्ट के माध्यम से, हम आपके जीवन के सुनहरे समय और आपको इसकी समय सीमा भी बताएंगे। यह समय अवधि आपकी जन्म कुंडली में विभिन्न योगऔर राज योगों का अध्ययन करके निर्धारित की जाती है। आपकी जन्म कुंडली में कई ग्रहों के संयोजन का प्रभाव आपके जीवन को बहुत हद तक प्रभावित करता है और ये योग उस विशेष ग्रह की अच्छी अवधि में अत्यधिक लाभकारी परिणाम देते हैं। आपकी कुंडली के योगों के अनुसार आपके जीवन का स्वर्णिम काल होगा :

Feb 2020 - Feb 2021

पहला स्वर्णिम समय

Oct 2032 - Oct 2033

दूसरा स्वर्णिम समय

आपकी कुंडली में राजयोग का अंतिम निष्कर्ष

With the presence of various Raj Yogas in your Janam Kundali, it is quite evident that you will enjoy several benefits, rewards and abundance throughout your life. With the presence of a strong Dhan Yoga in your Horoscope, you shall never have any problem pertaining to wealth and finances. Overall, you will have a life filled with prosperity and riches.

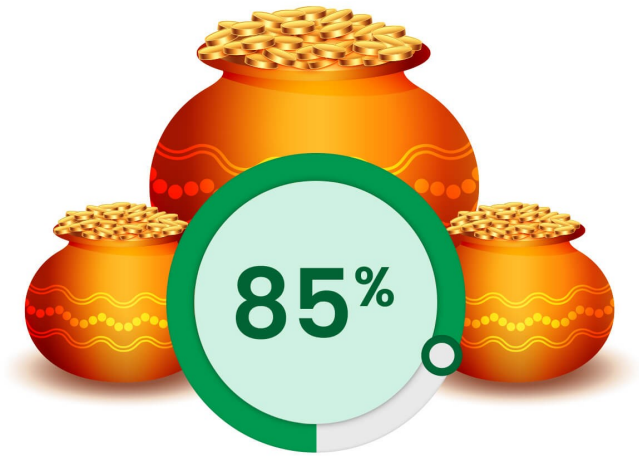

Disclaimer

Please note that we put in the best of efforts to provide you with an accurate and error-free report. However, we do not provide warranties, assurances or guarantees of any sort and neither do we deny the possibility of errors. This report is provided to you as-is. Moreover, do not substitute the predictions given in this report with any advice you receive from a professional such as a doctor, financial advisor, lawyer or psychiatrist. We will not be held responsible for any interpretation or usage of the above-mentioned information/data made by you. If you do not find this information appropriate, please do not use it. The court of law in case of any dispute shall be Jaipur, Rajasthan (India).